हुक्म या क

ल

म,

26/12/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 24/01/25 को पेश हो।

24/1/25 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 10/02/25 को पेश हो।

10/02/25 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इत्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 25/02/25 को पेश हो।

25/02/25 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उपस्थित। विपक्षीगण को जवाब पेश करने के अनेक अवसर देने के बावजूद भी कोई जवाब पेश नहीं किया। अतः उनका जवाब बंद किया जाता है। वकील प्रार्थी ने बहस सुनने का निवेदन किया। वकील प्रार्थी की बहस सुनी गई। बहस पर मनन किया गया। पत्रावली का अध्ययन अवलोकन किया गया जिससे प्रतीत होता है कि प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य है। अतः तरमीमंदी निर्णय अलग से लिखा जाकर शामिल पत्रावली जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या से एक कम हो।